4786
I

19

भारतीय गैर न्यायिक

10000 रु. Rs.10000

10000 रु. Rs.10000

10000 रु. Rs 10000 दस हजार रुपये

10000 रु. Rs 10000 RUPEES TEN THOUSAND

सत्यमेव जयते

10000 रु. Rs.10000

भारत INDIA

INDIA NON JUDICIAL

15

"ॐ"

04AA 280591

1:- भूमि मूल्यांकन सूची दर क्रमांक :- 11ग 650000/प्रति हेक्टेयर

2:- कुल स्टाम्प का योग :- 24000/ रुपया

3:- लेखपत्र का प्रकार :- बैनामा वि० मू० 100000/रू० वा० मू० 240000/रू०

4:- विक्रेता प्रथम पक्ष :- रामचरन तनय श्री काशी निवासी
ग्राम बूढ़ा तहसील व जिला झाँसी

5:- क्रेता द्वितीय पक्ष :- श्री विजय कुमार सरावगी
तनय श्री दामोदरदास सरावगी निवासी
जानकी पुरम कालोनी एस एस पी. बंगला
के सामने सिविल लाइन झाँसी

रामचरन

उप कारागार, झाँसी

नाम विजय कुमार सरावगी पु० श्री दामोदर दास

पता जानकीपुरम वार्ड . . . . .

18/11/03

रु० 100001/-
(कोई 250001/-)

4800/- . . . 10/- . . . 10/- . . . 4820/- . . . /00

श्री विजय कुमार सरावगी पुत्र श्री दामोदर दास सरावगी

निवासी जानकीपुरम कॉलोनी

दि० 18-11-2003 3/4

उ०जि०, झाँसी
झाँसी
18-11-03

मुचलका का विवरण . . . व समक्षकार व प्रतिभू

रुपये 100001/- . . . बयान कर

श्री रामचरन श्रीवास्तव (विक्रेता) व

श्री विजय कुमार सरावगी उक्त (क्रेता)

श्री हरीश कुमार तिवारी . . . कॉलोनी

निवासी

तथा श्री पन्नालाल पुत्र श्री मुन्नालाल

निवासी 54 भंडेरी गेट झाँसी

उ०जि०, झाँसी
झाँसी
18-11-03

रामचरन

पन्ना लाल

. . . के चिन्ह . . . लिये गए हैं

उ०जि०, झाँसी

उप कारागार
18 NOV 2003
झाँसी

भारतीय गैर न्यायिक

10000 रु. Rs.10000

10000 रु. Rs.10000

10000 रु. Rs10000 दस हजार रुपये

10000 रु. Rs10000 RUPEES TEN THOUSAND

सत्यमेव जयते

10000 रु. Rs.10000

भारत INDIA

INDIA NON JUDICIAL

I, SHILPI SINGHAL ... of my knowledge and belief, the information given in this return and stated and in accordance with the provisions of Income Tax Act 196.. to the assessment year 2004-2005 Receipt No. ... Date ...

04AA 280592

6:- विक्रित सम्पत्ति का विवरण :- आराजी भूमिधरी
जो कि स्थित मौजा बूढ़ा ब्लाक बड़ागाँव परगना व
जिला झाँसी खाता संख्या २२२ आराजी नम्बर 120
रकबा 1.044 हेक्टेयर का 1/3 (एक बटा तीन) भाग
यानी अपना सम्पूर्ण हिस्सा बय किया है बयशुदा
आराजी एकड़ अव्वल सिंचित है व खाता संख्या 120
का आराजी नम्बर 148क रकबा 0.142 हेक्टेयर
का 1/8 (एक बटा आठ) भाग यानी अपना सम्पूर्ण भाग
हिस्सा बय किया गया है बय शुदा आराजी एकड़
अव्वल सिंचित है विक्रित आराजी पेड़ की नहीं है
यानी संक्रमणीय भूमि है विक्रित आराजी बाई पास सड़क
से लगी हुई है एवं आबादी 1/2 किलोमीटर दूर है
एवं औद्योगिक प्रयोजन की नहीं है इस आशय की

रामचरन

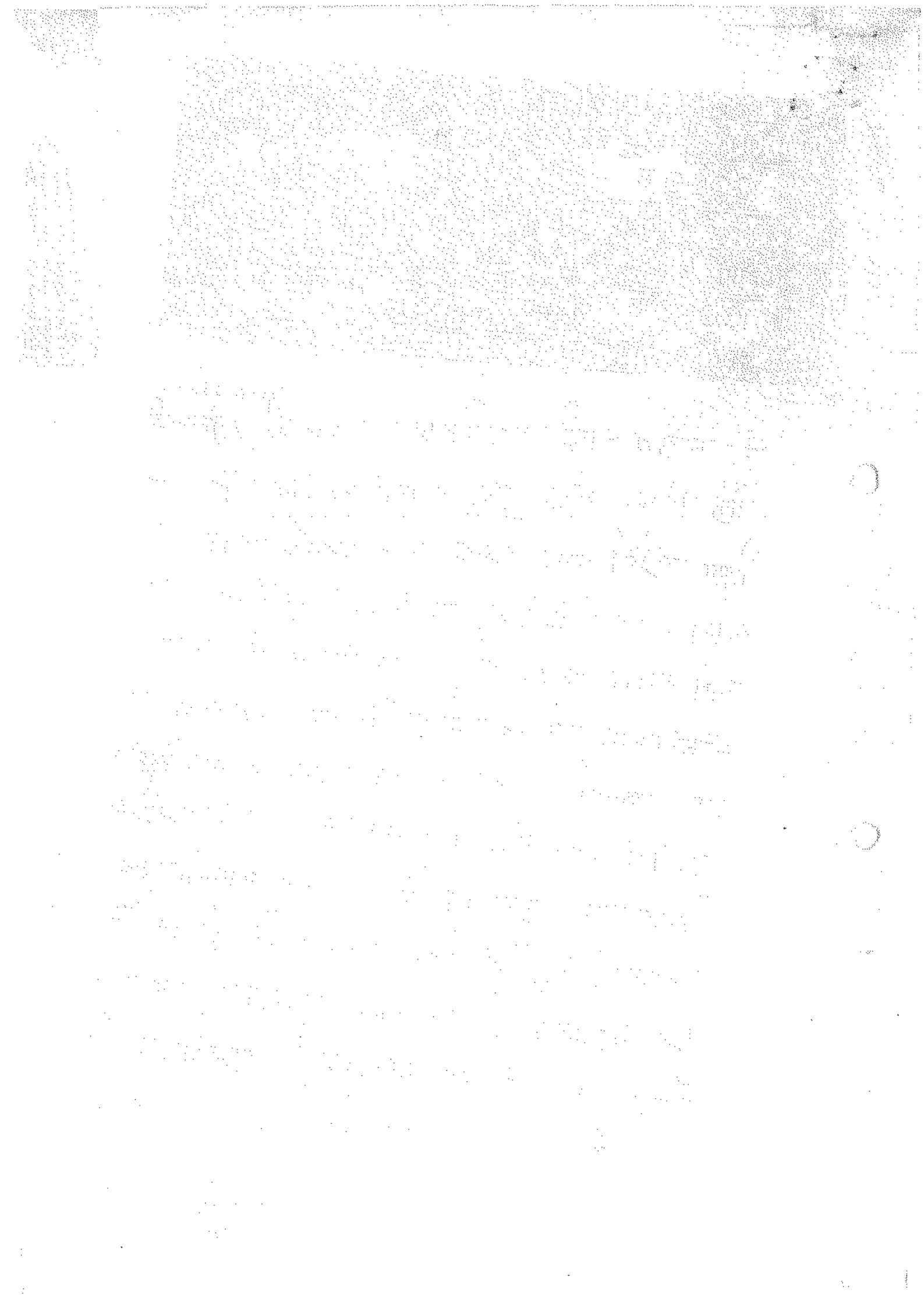

(3) (2) 1000Rs.

INDIA NON JUDICIAL

१000रु. Rs 1000

सत्यमेव जयते

भारत

एक हज़ार रुपये ONE THOUSAND RUPEES

SHILPI SINGHAL
of my knowledge and belief, the inform... stated and in accordance with the provi... to the assessment year 2004-2...
Receipt No. ... Date ...

लेखपाल हल्का की रिपोर्ट एवं श्रीमान तहसीलदार महोदय झाँसी द्वारा जारी किया गया मालियत प्रमाण पत्र दस्तावेज हाजा के साथ दिया जा रहा है विक्रीत आराजी में कोई पेड़ बाग नहीं है विक्रीत आराजी पुश्तैनी है विक्रीत आराजी के मूल्यांकन एवं स्वामित्व के सम्बन्ध में कोई भी तथ्य छुपाया नहीं गया है उपरोक्त दस्तावेज क्रेता एवं विक्रेता के कथनानुसार तहरीर की गयी है स्टाम्प ड्यूटी 650000/ प्रति हेक्टेयर के हिसाब से अदा की गयी है विक्रीत आराजी क्रेता की आराजी से लगी हुयी है -

8. विक्रय मूल्य :- 100000/ एक लाख रुपया एवं सरकारी मालियत 240000/ दो लाख चालीस हजार रुपया है

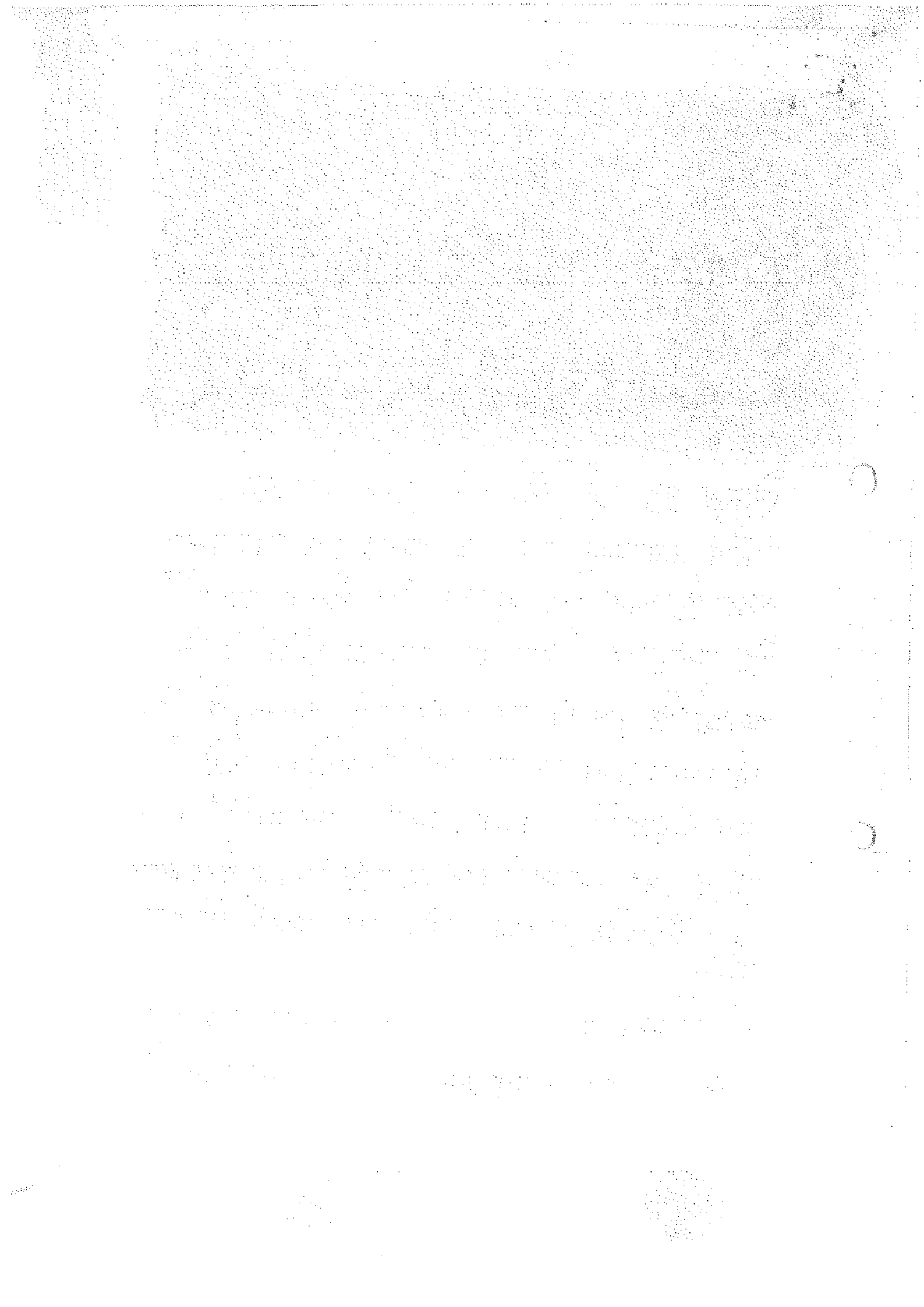

INDIA NON JUDICIAL

२000रु. Rs 1000

सत्यमेव जयते

भारत

एक हजार रुपये ONE THOUSAND RUPEES

कि मुझ मुक्तिर विक्रेता को अपने खर्चे स्वं जायज
कामो के लिये रुपया की जरूरत की सख्त आवश्यकता
है और बगैर आराजी को मुआफिक किये रुपया
मिलने की कोई सबील नजर नही आती है और
क्रेता श्री विजय कुमार सरावगी उपरोक्त मोलधन जमाना
आराजी को माकूल कीमत दे रहा है लिहाजा मैं
विक्रेता अपनी उक्त आराजी जो कुमला हर
बार किफालत से पाक व साफ है और जो आज
आज से पूर्व कहीं बय अथवा रेहन आदि नही
है न ही आराजी के स्वामित्व के
सम्बन्ध में कोई वाद न्यायालय में विचाराधीन

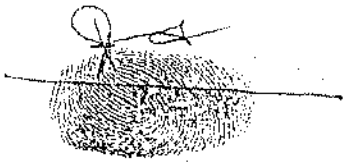

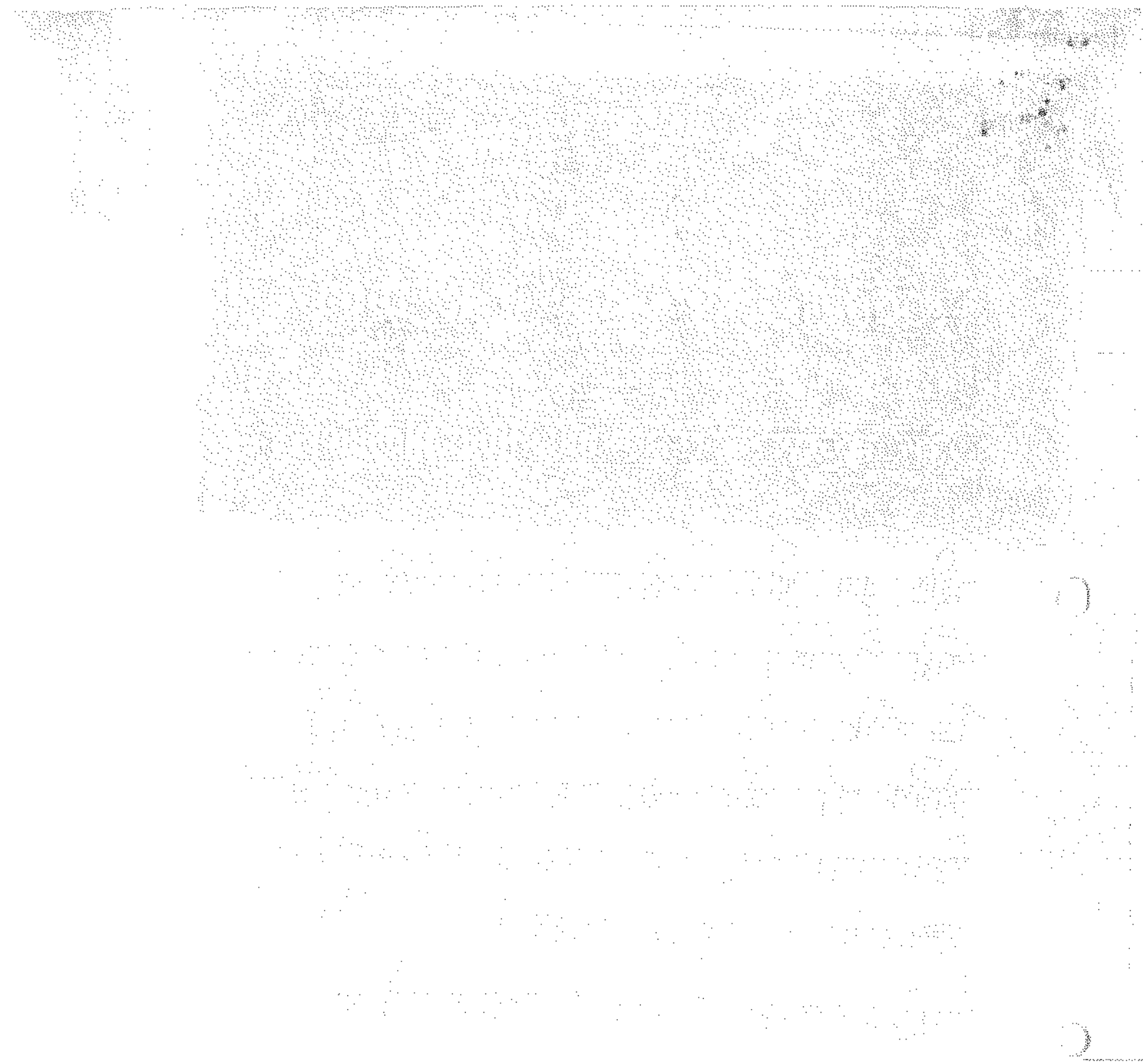

(2) 500RS.

INDIA NON JUDICIAL

५०० रु. Rs 500

सत्यमेव जयते
भारत

पाँच सौ रुपये FIVE HUNDRED RUPEES

या जो आराजी जमानत, डिग्री, ऋण, या अन्य
किसी वित्तीय संस्था में बन्धक है जिस मिल
एवज मुबलिग 100000/ रुपया मूल्य में बदस्त उक्त
क्रेता को कतई तौर पर बय फरोख्त करता
हूँ और कब्जा व दखल उक्त प्लाट
पर आप क्रेता को आज ही के रोज
से बखूबी मौके पर करा दिया है अधिकार
आप क्रेता आराजी में खेती करे या करावे

रामचरन

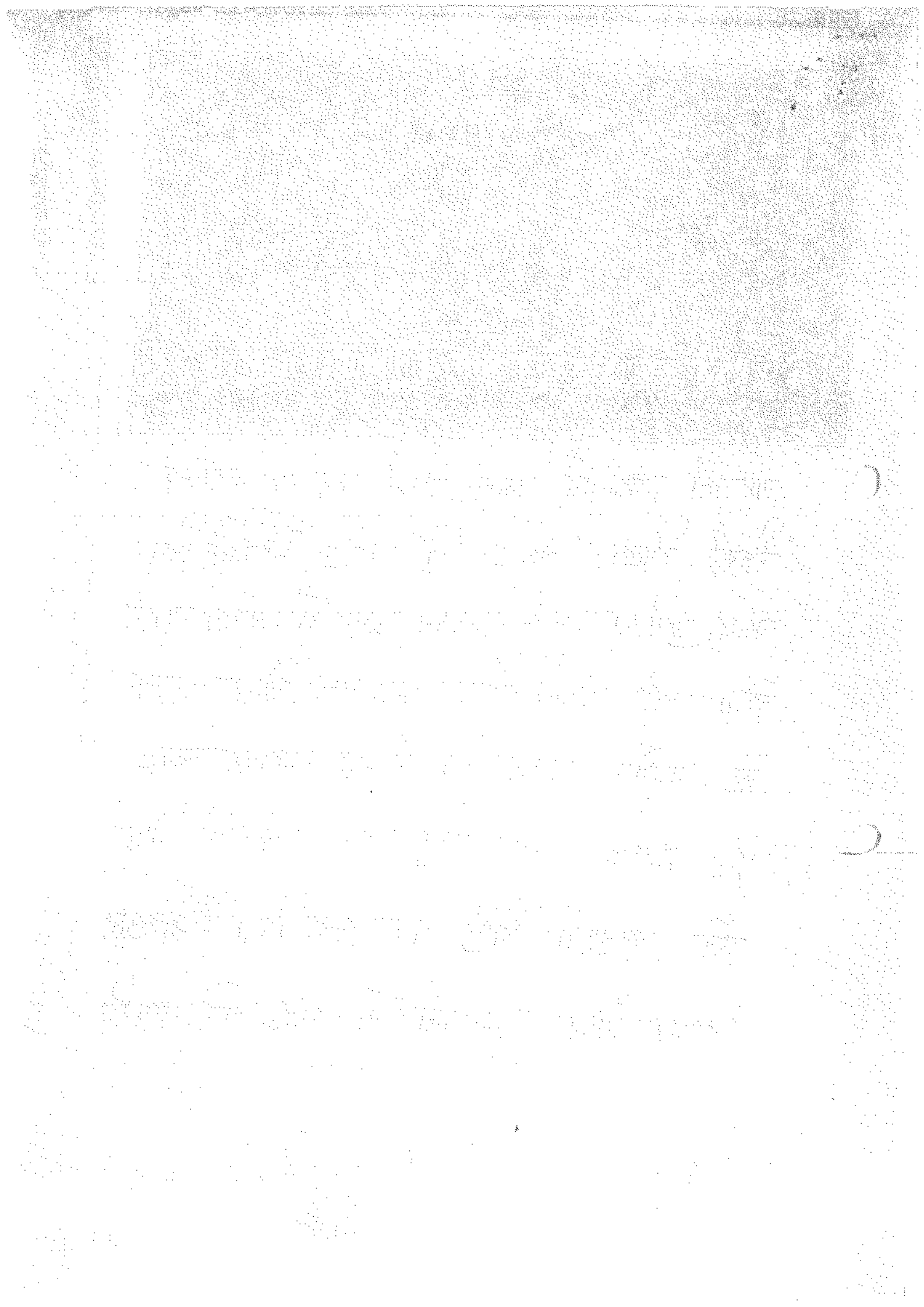

INDIA NON JUDICIAL

५०० रु. Rs 500

सत्यमेव जयते

भारत

पाँच सौ रुपये FIVE HUNDRED RUPEES

बाग-बगीचा मयलगवाव सरकारी कागजात में
बतौर मालिकान नाम दर्ज मुतालिक करावे
बय किया रेहन करे या ऐसी ही पड़ी
रहने दे मंशा गर्ज यह है कि आप
लेना जिस तरह से भी चाहे उक्त आराजी
को अपने इस्तेमाल में लावे आज से
निविष्ट आराजी से मेरा व मेरे वारसान
का कोई वास्ता व सरोकार नहीं
रहा न आयन्दा होगा खास किस्म

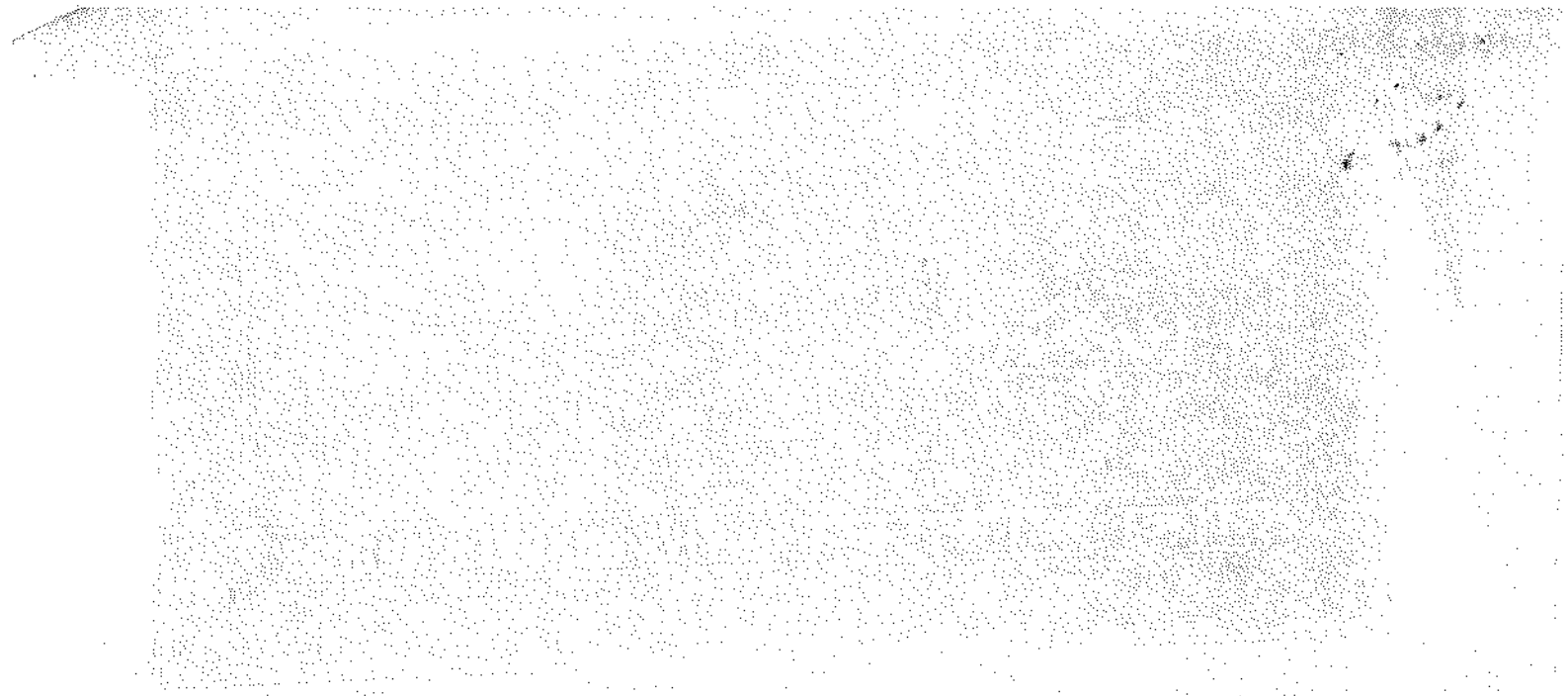

कोई शख्स या विक्रेता की वजह से उक्त आराजी का कुल या जुज हिस्सा क्रेता के कब्जे से निकल जावे तो कुल रकम मय हर्जा व खर्चा आदि का देनदार विक्रेता है व रहेगा लिहाजा स्वेच्छा से यह बैनामा कुल मूल्य 100000/ रुपया जरिये चेक नम्बर ६८३०२० भारतीय स्टेट बैंक मेन ब्रान्च झाँसी दिनांक १८-११-०२ ई० के द्वारा बाबत कुल के तहरीर कर दिया सनद रहे वक्त जरूरत पर काम में आवे -

रामचरन

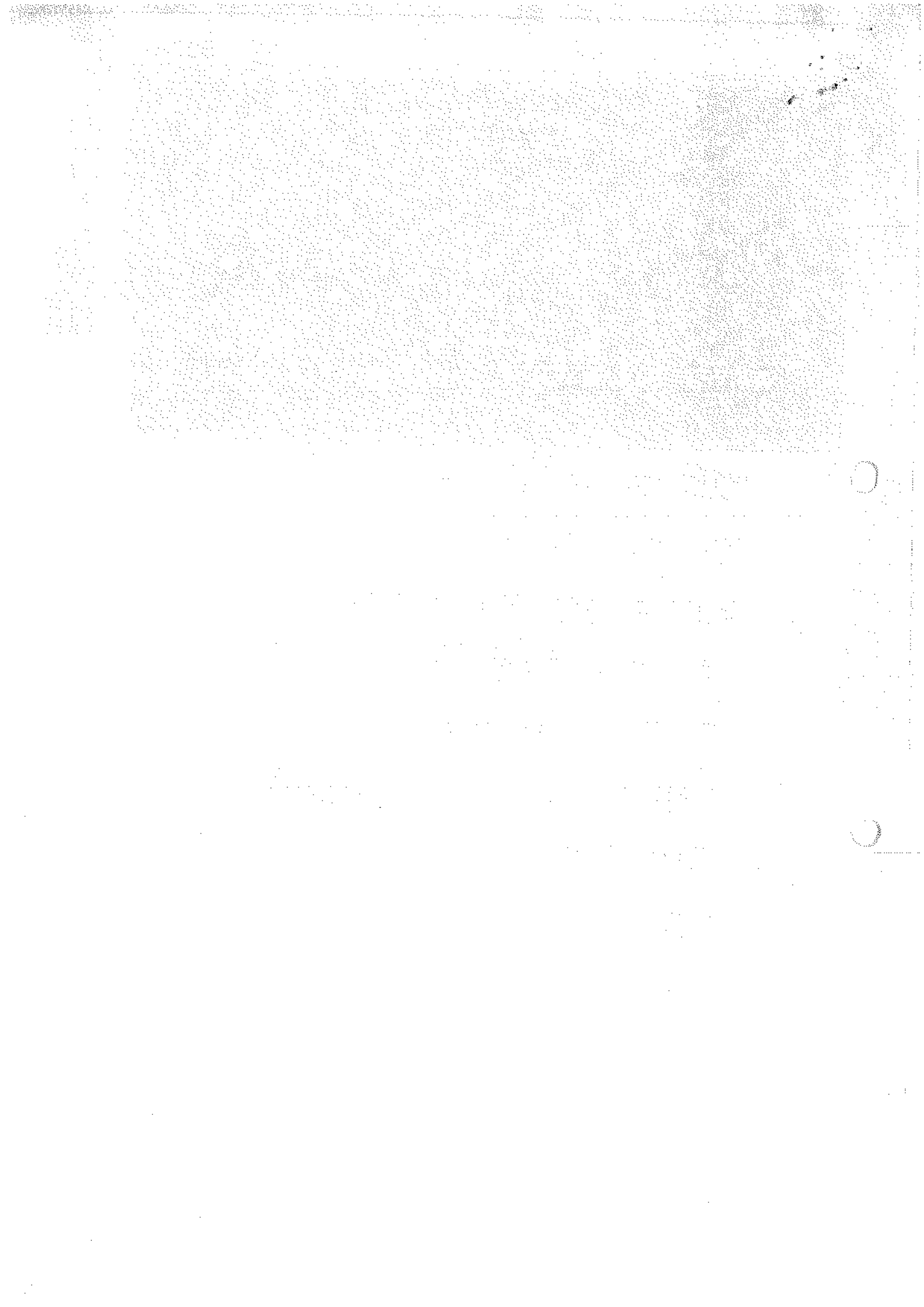

(26) 500Rs.

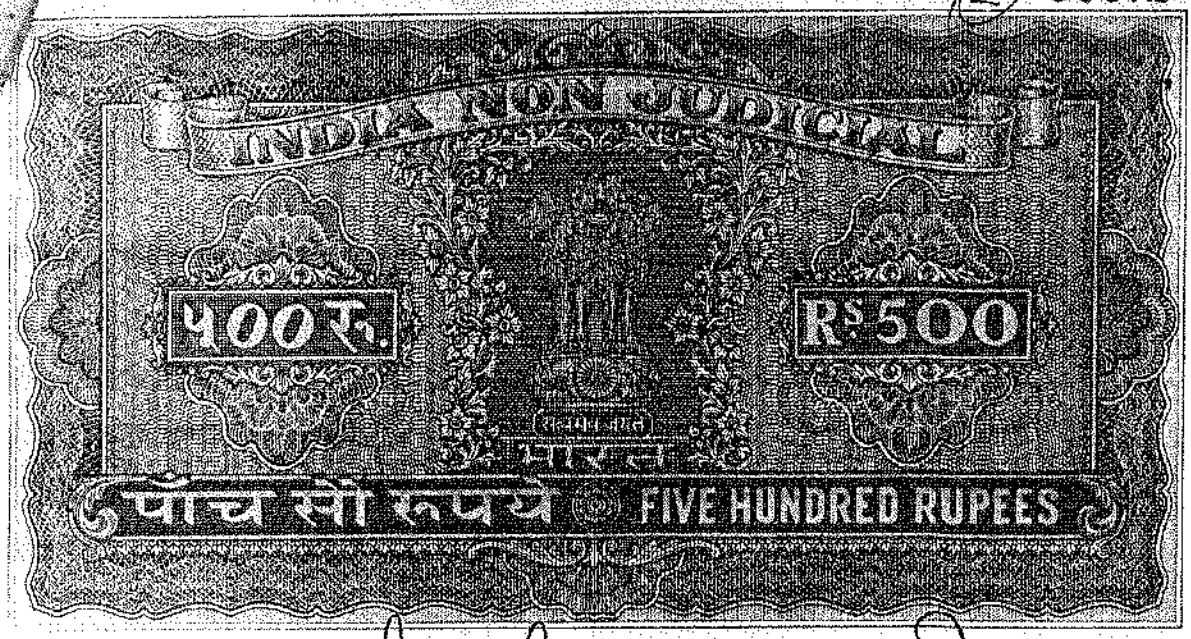

INDIA NON JUDICIAL

५००रु. Rs 500

सत्यमेव जयते

भारत

पाँच सौ रुपये FIVE HUNDRED RUPEES

फ़कत तहरीर तारीख १८-११-२००२ ई० बकलम

अखिलेश शर्मा डीड राइटर तहसील कैम्पस झाँसी

[illegible]

साक्षी हरीश कुमार तिवारी [illegible]

साक्षी पन्नालाल पुत्र [illegible] नि. ५५, [illegible] गेट झाँसी

अखिलेश शर्मा
वसीका नवीस
तहसील व जिला झाँसी
अनुज्ञप्ति संख्या-31
दिनांक 31-3-[illegible]

अखिलेश शर्मा

४६३३
१८/११/०३ ५०० पाँच सौ
विजय कुमार सरावगी पुत्र दामोदर दास
नि० सिविल लाइन झाँसी
वास्ते-बैनामा

प्रदीप शर्मा-स्टाम्प वेण्डर
लाइसेंस नं०-159
तहसील-झाँसी

18-11-03 2479
I 4286
233
250

निबंधन कार्यालय तहसील सदर झाँसी
पंजीकरण - 134/03-04
उ०नि० 27-12-04
30/1/2004

(22)

विक्रेता - श्री राम-चरन

केता - श्री विजय कुमार सरावगी

मौजा - बूढा परगना व तहसील व जिला झाँसी

भूमि नं. - १३०, १४६क

200 मीटर त्रिज्या के अन्तर्गत स्थित सम्पत्ति के विवरण का मानचित्र!

200 मीटर की त्रिज्या की परिधि लाल रंग से प्रदर्शित है!

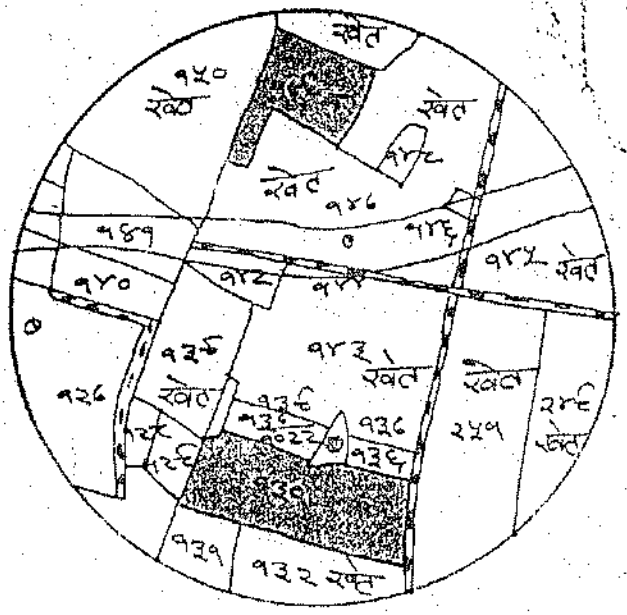

...ENDRA SINGH THAKUR
... Development Authority
U/MAN, LIC, No.-01

10/11/2003

विक्रेता

केता